मांग | सुधर सकती है यातायात व्यवस्था की बिगड़ी चाल

इंदौर की तर्ज पर मिले रिक्शा चालकों को प्रशिक्षण

जबलपुर, नवभारत। शहर में बढ़ती ई-रिक्शा की संख्या अब यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। ट्रैफिक की अराजकता से हर नागरिक परेशान है, शहर की ऐसी कोई सड़क या रास्ता नहीं जहां दिन में एक बार जाम न लगता हो और इस अव्यवस्था में सबसे बड़ा रोल ई-रिक्शा का हो गया है, क्योंकि इनके लिए कभी कोई नियम नहीं बनाए गए, जिसकी वजह से ई-रिक्शा चालक मनमर्जी पर ऊतारू रहते हैं।

बड़े शहरों की बदली तस्वीर

बिना तय स्टॉपेज के बीच सड़क पर सवारी बैठाने-उतारने, मनमाने ढंग से वाहन खड़े करने और कई जगह यातायात नियमों की अनदेखी से रोज़ाना जाम की स्थिति बन रही है। बात करे अगर प्रदेश में इंदौर- भोपाल के बाद महाराष्ट्र के पुणे की तो यहाँ भी कुछ समय पहले तक ऐसी ही स्थिति थी लेकिन जब से इन शहरों की ट्रैफिक पुलिस, आरटीओ और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर ई-रिक्शा चलाने के लिए ट्रेनिंग और रूट तय करने का निर्णय लिया तब से यहां की व्यवस्था तेजी से सुधरी और आज इन शहरों की ट्रैफिक बेहतर स्थिति में है लेकिन प्रतिशत ई-रिक्शा चालक अप्रशिक्षित हैं।

आवाजाही में होती है परेशानी

व्यस्त बाजारों, चौराहों और प्रमुख मार्गों पर ई-रिक्शा का अव्यवस्थित संचालन न केवल अन्य वाहनों की रफ्तार को प्रभावित कर रहा है, बल्कि पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। ये अनट्रेंड ई-रिक्शा चालक सवारियों के लिए जब भी सड़क पर रुकते हैं, तो उनकी गाड़ी तिरछी खड़ी होती है, जिसके कारण पीछे से आने वाले वाहनों की आवाजाही में परेशानी होती है। इसके अलावा वन-वे ट्रैफिक और मार्केट के संकरे मार्गों पर इनके लिए कोई नियम नहीं रहता, जिसके चलते ये भीड़भाड़ वाली जगहों में पहुंचकर चाहे जहां पार्किंग करते हैं, जिससे जाम लगता है। नागरिकों का कहना है कि यदि ई-रिक्शा के लिए निर्धारित रूट, स्टैंड और स्टॉपेज तय किए जाएं तथा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, तो शहर की यातायात व्यवस्था में काफी सुधार हो सकता है।

ऐसा है इंदौर का सिस्टम

इंदौर में ई-रिक्शा चालकों को ट्रैफिक पुलिस द्वारा 10 सेक्टर्स में विभाजन, कलर कोडिंग और रूट परमिट की अनिवार्य ट्रेनिंग दी जा रही थी। यहाँ शहर को 32 थानों के तहत 10 सेक्टर में बांटकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी रूट निर्धारित किए जा रहे थे। वही महिलाओं के लिए भी नि:शुल्क ई-रिक्शा ड्राइविंग और बैटरी रखरखाव का प्रशिक्षण उपलब्ध है। जानकरो का कहना है कि अगर ऐसा सिस्टम जबलपुर शहर में भी अपना लिया जाए तो संस्कारधानी की भी बिगड़ी यातायात की स्थिति सुधारी जा सकती है।

तीन युवकों समेत एक महिला ने की खुदकुशी

नवभारत, जबलपुर। शहर एवं ग्रामीण अंचल में हुई अलग-अलग घटनाओं में तीन युवकों समेत एक महिल ने आत्महत्या कर ली। यह मामले लार्डगंज, बरगी, गढ़ा, मझौली थाना क्षेत्र में हुए है। पुलिस ने चारों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है । लार्डगंज पुलिस के मुताबिक शंकर पटैल निवासी गेट नंबर 01 रानीताल ने घर के किचिन के छत में पंखे लगाने का लोहे की हुक में लाल गमछा में फांसी का फंदा बनाकर फांसी ली। इसी प्रकार बरगी थाना अंतर्गत बरगीनगर में गोपाल पटेल 25 वर्ष ने मकान में लगे हुये लोहे के पाईप में गमछा से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली । इसी तरह गढ़ा थाना अंतर्गत पार्वती साहू 21 वर्ष निवासी प्रेमसागर साई मोहल्ला गढ़ा द्वारा जहर का सेवन लिया गया जिसकी इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार शाम 3-50 बजे मौत हो गई। इसी प्रकार मझौली थाना अंतर्गत लुहारी लडोई में राजेश नुनिया ने सेल्फास की गोली का सेवन लिया ।

आंदोलन नहीं रोका तो करवाया हमला

फायरिंग, बमबाजी, तोड़फोड़ मामले में षड़यंत्रकारी पर दर्ज हो एफआईआर, पीड़ित परिवार को मिले सुरक्षा

नवभारत, जबलपुर। तिलवारा थाना आयुषीधरा कॉलोनी सगड़ा में गुरूवार की देर रात अज्ञात बदमाशों ने बहुजन चेतना विकास मोर्चा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के एक घर को निशाना बनाकर बमबाजी करते हुए गोलियां चलाई। जमकर तोड़फोड़ भी मचाई थी।

इस मामले में शुक्रवार को पीड़ित नेता ने समर्थकों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोप लगाया कि अवैध शराब दुकान एवं ओवररेटिंग एवं गाँव गाँव अवैध शराब बंद करवाने पार्टी आंदोलन कर रही है जिसे बंद करने शराब कारोबारी द्वारा दबाव बनाया जा रहा था। मना करने हमला करवाया गया है ।

शिकायत में मांग की गई है कि मामले में षड़यंत्रकारी पर एफआईआर दर्ज हो और पूरे परिवार को सुरक्षा मिले। अवैध शराब दुकानें एवं गाँव गाँव अवैध शराब बेचना एवं ओवर रेटिंग बंद करायी जाये। हालांकि पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

बमबाजी के साथ चली थी गोलियां, तोड़फोड़ भी की

बहुजन चेतना पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम झारिया (35) कल रात करीब 10:30 बजे वह अपने घर में थे तभी कई तेज धमाके हुए और कांच टूटने की आवाजें आने लगीं थी। राधेश्याम ने जब बाहर आकर देखा, तो सफेद रंग की सुजुकी एक्सेस स्कूटी पर सवार तीन लड़के कॉलोनी के गेट की तरफ तेजी से भाग रहे थे। आरोपी भागते हुए भी जान से मारने की धमकी दे रहे थे। मौके पर राधेश्याम की थार कार एमपी 20 एक्स बी 6062 के सामने और साइड के दोनों तरफ के कांच फूटे हुए थे। कार के भीतर दो बड़ी ईंटें पड़ी थीं। घर के बाहर सुतली और बारूद के कागज बिखरे पड़े थे। बदमाशों ने राधेश्याम के पड़ोसी मालाकार के मकान और कार पर भी हमला किया । मालाकार की कार एमपी 20 सी ए 9371 के बगल और पीछे के कांच पूरी तरह टूट चुके थे। उनके घर की दीवार पर गहरे निशान मिले हैं, आरोपियों ने दहशत फैलाने के लिए गोलीबारी फायरिंग भी की है।

प्रदर्शन के बाद बना रहे थे दबाव

शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर राधेश्याम ने अपने समर्थकों के साथ आरोप लगाते हुए बताया कि वे अवैध शराब दुकान एवं ओवर रेट, अवैध शराब बंद करवाने आंदोलन कर रहे है। 10 जून को अवैध शराब दुकान सिवनीटोला में प्रदर्शन किया गया था। सिवनीटोला निवासी प्रदीप पटेल एवं भरत मरावी , गिरीश शिवहरे एवं अन्य गिरीश शिवहरे आंदोलन बंद करने का दबाव बना रहे थे । बीती रात बदमाश चिल्ला रहे थे कि जान से खत्म कर देंगे। आशीष शिवहरे से पंगा लेना मंहगा पड़ेगा। उन्होंने षड़यंत्रकारी शराब कारोबारी के खिलाफ मामला दर्ज करने, परिवार को सुरक्षा प्रदान करने, के साथ अवैध शराब दुकानें, ओवर रेटिंग बंद करने की मांग की ।

रेलवे नियमों की खुलेआम उड़ाई जा रही है धज्जियाँ, ट्रेनों में पहुँचाई जा रही है साधारण बोतले

नवभारत, जबलपुर। मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर इन दिनों रेल नियमों की जमकर अवहेलना की जा रही है। बात करे अगर सिंगरौली इंटरसिटी, भोपाल इंटरसिटी जैसी अन्य ट्रेनों की तो इसमें प्रशासन के आँखों के सामने ही लोकल पानी की बोतलें चढ़ाई जा रही है। वैसे तो मुख्य रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडरों की मनमानी आए दिन देखने को मिलता है। यह अवैध वेंडर प्लेटफार्म क्रमांक एक और छह से रेल लाइन को क्रॉस कर लोकल पानी की बोतले ट्रेनों पर चढ़ाते हुए दिखाई देते हैं। आए दिन रेल नियमों को ताक पर रखकर अवैध रेल वेंडर प्रशासन को मुँह चिड़ा रहे हैं। गत दिवस नवभारत द्वारा की गई पड़ताल में सामने आई की नीली शर्ट पहने एक व्यक्ति गंदगी के बीच पानी की बॉटल रेल लाइन से पार करते हुए सिंगरौली इंटरसिटी में चढ़ा रहा था वही प्लेटफार्म पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी महज तमाशा देख रही थी। मुख्य रेलवे स्टेशन पर सिर्फ़ भोपाल इंटरसिटी महाकौशल एक्सप्रेस ही नहीं बल्कि श्री धाम, रीवा इंटरसिटी, शक्ति पुंज, सोमनाथ जैसी अन्य ट्रेनों में इन दिनों बेझिझक लोकल पानी अवैध वेंडरों द्वार आरपीएफ और जीआरपी की नजारो के सामने ट्रेनों में खुले आम चढ़ाया जा रहा है।

खुदाई के बाद मलबा नहीं हटाने की जिद पर अड़े जिम्मेदार

कीचड़ में तब्दील हुआ मलबा, सड़क पर पसार रहा पैर

स्थानीयजनों को हो रही काफी परेशानियां, भूकंप कॉलोनी का हाल

नवभारत, जबलपुर। साहब.. अब हम करें तो क्या करें, जिम्मेदार विभाग खुद एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर काम से बचना चाह रहे हैं... ये उदासीनता ठीक नहीं है.. ये बातें इन दिनों भूकंप कॉलोनी के रहवासियों के खेमे में बीच जोरों पर चल रहीं हैं और अब वे कमिश्नर, कलेक्टर तक मामले की शिकायत करने की तैयारी में जुटे हुए हैं। दरअसल मामले में भूकंप कॉलोनी में पानी की निकासी के लिए नाली की खुदाई की गई थी और फिर उसके मलबे को वहीं पर छोड़ दिया गया। अब करीब 1 महीने होने जा रहे हैं और मलबा कीचड़ में तब्दील हो चुका है और आधी सड़क पर कब्जा जमा चुका है। ऐसे में स्थानीयजनों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है।

विदित हो कि नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा भूकंप कॉलोनी में बारिश के समय जलप्लावन न हो इसके लिए पानी की निकासी के लिए जगह-जगह खुदाई की गई थी । खुदाई तो पूरी हो गई थी लेकिन खुदाई से निकले मलबे को जिम्मेदार उठाना भूल गए और अब लोगों के लिए ये मलबा परेशानी का सबब बना हुआ है। जानकारी के अनुसार हर वर्ष बारिश में भूकंप कॉलोनी, गंगानगर क्षेत्र में जलप्लावन बहुत होता है इसलिए निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा पानी की निकासी के लिए यहां खुदाई कार्य किया था।

15 फीट की सड़क बची 7 फीट

महाराणा प्रताप वार्ड के भूकंप कॉलोनी निवासी शुभम साहू, अमर सिंह ठाकुर, बलराज सिंह, भैरव बड़गैयां, वीरेंद्र शर्मा सहित अन्य ने नवभारत को बताया कि भूकंप कॉलोनी हनुमान मंदिर के पास 1 महीने से मलबा पड़ा हुआ है, कई बार संभागीय अधिकारी कृष्णकांत रावत, सीएसआई संतोष माहौर को शिकायत की गई कि मलबा उठाकर अलग कराएं लेकिन जिम्मेदार एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हुए अनदेखी कर रहे हैं और खामियाजा हम सभी को भुगतना पड़ रहा है। आलम ये है कि सड़क कुल 15 फीट की है तो मलबे के फैलने के कारण अब सड़क चलने के लिए महज 7 फीट ही बची है, ऐसे में जाम अलग लग रहा है और स्थानीय लोगों को इस मार्ग से होकर गुजरने में कीचड़ का सामना करते हुए परेशानियां उठानी पड़ रही है। इस संबंध में स्थानीयजनों ने ये भी कहा कि जब वे मलबा हटाने पीडब्ल्यूडी विभाग के जिम्मेदारों से बोलते हैं तो उनका जवाब रहता है कि नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने खुदाई की है आप उनसे शिकायत करिए और जब लोग स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार से मलबा हटाने कहते हैं तो स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार पीडब्ल्यूडी विभाग पर जिमेदारी डाल देते हैं। इस प्रकार दो विभागों के फेर में स्थानीयजन फंसते नजर आ रहे हैं। ऐसे में लोगों के बीच ये सवाल खड़ा हुआ है कि अब वे शिकायत करें तो किससे करे क्योंकि कोई सुनने वाला फिलहाल उन्हें नजर नहीं आ रहा है।

स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रही शहर की बदहाल तस्वीर

चारों ओर फैली गंदगी, बीमारियों का बढ़ा खतरा

नवभारत, जबलपुर। स्वच्छता अभियान के दावों के बावजूद शहर के गोरखपुर और पुलिस लाइन जैसे कई इलाकों में गंदगी का आलम बना हुआ है। सड़कों के किनारे फैला कचरा और नियमित सफाई के अभाव में रहवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है। नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायत के बाद भी सफाई व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है।

गोरखपुर के हाऊबाग क्षेत्र में पसरी गंदगी

गोरखपुर स्थित हाऊबाग क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। क्षेत्र की सड़कों पर जगह-जगह कचरा फैला हुआ है, जिससे राहगीरों और स्थानीय रहवासियों को दुर्गंध और गंदगी के बीच आवाजाही करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई नहीं होने से क्षेत्र की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है और जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

पुलिस लाइन ग्राउंड में फैला कचरा- हैरानी की बात तो यह है कि शहर के पुलिस लाइन ग्राउंड में भी गंदगी का अंबार देखने को मिल रहा है। यह मैदान प्रतिदिन सुबह सैकड़ों लोगों के लिए दौड़ने, व्यायाम करने और स्वास्थ्य सुधार का प्रमुख केंद्र है, लेकिन मैदान के आसपास फैला कचरा और गंदगी यहां आने वाले लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। नागरिकों का कहना है कि जहां एक ओर लोग बेहतर स्वास्थ्य के लिए यहां पहुंचते हैं, वहीं दूसरी ओर गंदगी का माहौल स्वच्छ वातावरण की आवश्यकता पर सवाल खड़े कर रहा है।

भरी दोपहरी में विश्राम करती लिफ्ट, यात्री हो रहे परेशान

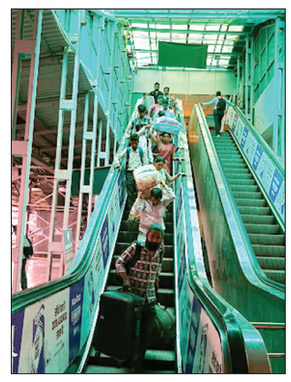

रात्रि में बंद होती है लिफ्ट और एस्केलेटर

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर बुजुर्ग, महिलाओं और छोटे बच्चों को परेशानियों का सामना करना पद रहा है। रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लिफ्ट एवं एक्सीलेटर बंद होने के कारण यात्रियों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हुआ कुछ यू कि रात्रि 10 बजे से मेंटेनेंस के नाम पर बंद होने वाली लिफ्ट गत दिवस दोपहर चार बजे ही ठप पढ़ चुकी थी। जिसके बाद नवभारत के कैमरे में कैद हुए यात्रियों के सिर पर भारी भरकम समान रखकर सीढ़ियों के रास्ते आवाजाही करने हुए मजबूर दिखे।

दिया जाता है विश्राम

सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक मेंटेनेंस के नाम पर बंद की जाने वाली लिफ्ट और एस्क्लेटर गत दिवस दोपहर चार बजे ही ठप पाई गई थी जिसके चलते लंबी दूरी की यात्रा तय कर जबलपुर पहुँचे यात्रियों को सिर पर समान रख ऊँची ऊँची सीढ़िया चड़ना पड़ रही थी। वही छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी सहारा लेकर पैदल चलने को विवश थे।

ये कैसा अघोषित नियम

बंद पड़ी लिफ्ट और एक्सीलेटर के बारे में जब नवभारत द्वार ज़िम्मेदार अधिकारी से जब चर्चा की गई तो उनके द्वारा दी गई सफ़ाई में बताए गया की किसी भी विद्युत उपकरणों को 24 घंटे लगातार बिना आराम दिए उपयोग करना मुमकिन नहीं है। अत: उनको आराम देने को लिए रात्रि में बंद कर दिया जाता है। लेकिन इसके साथ ही अगर किसी भी यात्री को जरूरत पड़ती है तो तत्काल लिफ्ट को चालू भी कर दिया जाता है।

लापरवाही | भंवरताल उद्यान में चारों ओर गंदगी

फव्वारे बंद, गंदा पानी मार रहा दुर्गन्ध, लोग परेशान

नवभारत, जबलपुर। नगर के बड़े और ऐतिहासिक उद्यानों में शुमार भंवरताल उद्यान में इन दिनों चारों ओर गंदगी फेली हुई है। नवभारत द्वारा उद्यान की साफ़ सफ़ाई को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को इस उद्यान की बारीकि से जाँच पड़ताल की गई । इस दौरान पाया गया की उद्यान में लाखो रुपये की लागत से लगाए गए म्यूज़िकल फ़व्वारे काफ़ी समय से बंद पड़े हैं,और यहाँ जमा पानी अब बदबू मारने लगा है उद्यान विभाग की अनदेखी का शिकार हुए इस उद्यान का स्वरुप अब बदलता जा रहा है।

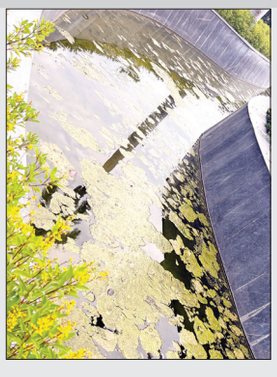

चलना हुआ दुश्वार

नवभारत द्वारा की गई पड़ताल में सामने आया की लाखो रुपए की लागत से लगाए गए ये फव्वारे महीनों से बन्द पड़े हैं इसमें जमा पानी अब दुर्गंध मारने लगा है जिसके चलते सैकड़ों की संख्या में सैर पर आने वाले आमजन यहाँ से उठने वाली दुर्गंध से अब परेशान हो चुके है। उद्यान में सैर पर आए दीपेश कुमार ने बताया की भवरताल उद्यान में कुछ फव्वारे कई महीनों से बंद हैं इनका पानी सड़ चुका है और इस पानी में अब काई उग चुकी है।

इनका कहना है

उद्यान की सफाई के लिए निर्देश दे दिए गए हैं। यहाँ सफाई के लिए पम्प भी लगा दिया गया है। जल्द ही उद्यान को स्वच्छ कर लिया जाएगा।

मनीष तड़से, उद्यान

युवक पर धारदार हथियार से हमला

जबलपुर । हनुमानताल थाना अंतर्गत मदार छल्ला में धक्का लगने की बात पर उपजे विवाद के बाद बदमाशों ने एक युवक के साथ मारपीट कर धारदार हथियार से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक हसनैन अली निवासी टेढ़ीनीम बाबा होटल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मदार छल्ला पानी की टंकी के पास सवारी, टपारी देखने जा रहा था उसी समय शाहरूख को उसका धक्का लग गया इसी बात पर शाहरूख और शाहरूख का साथी सलमान उसके साथ विवाद करने लगे। दोनों ने हाथ मुक्कों से मारपीट की। सलमान ने धारदार हथियार से हमला कर चोट पहुंचा दी।

करंट लगने से 15 फीट ऊंचाई से गिरा कर्मी

नवभारत, जबलपुर। लाइन सुधारने के दौरान पाटन में पदस्थ आउटसोर्स कर्मी धर्मेंद्र मेहरा करंट का झटका लगने से 15 फीट की ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ के अनुसार, 25 जून को जूनियर इंजीनियर के कहने पर वह 11 केवी लाइन का डीओ फ्यूज लगाने डीपी पर चढ़ा था।

दोपहर करीब 11:30 बजे सप्लाई बंद होने के बावजूद अचानक बाएं हाथ में करंट लगने से वह सीधे खेत में गिर गया। साथियों ने उसे तुरंत जबलपुर के निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया, जहाँ डॉक्टर ने उसके बाएं हाथ में स्पार्क के निशान, रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर और दाहिने गाल पर चोट की पुष्टि की है। पीड़ित कर्मी फिलहाल अपने खर्च पर इलाज करा रहा है क्योंकि विद्युत कंपनी या ठेका कंपनी डीए डिजिटल ने अब तक कोई मदद नहीं की है। इस पर संघ के हरेंद्र श्रीवास्तव, राजकुमार सैनी, मोहन दुबे, दशरथ शर्मा, शशि उपाध्याय, अजय कश्यप, विनोद दास, लखन सिंह राजपूत, इंद्रपाल सिंह, संदीप दीपांकर, आजाद सकवार, जगदीश मेहरा और किशोर ने प्रबंधन से घायल कर्मी को इलाज के लिए तत्काल सहायता राशि देने की मांग की है।